

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

(Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission)

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (UP PET 2026) — अभ्यास प्रश्न पत्र

विषय: सामान्य हिंदी

अभ्यास सेट संख्या — 9

कुल प्रश्नों की संख्या	15
कुल अंक	15
समय अवधि	15 मिनट
नकारात्मक अंकन	प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25 अंक की कटौती

परीक्षार्थियों हेतु सामान्य निर्देश (General Instructions)

- यह प्रश्न पुस्तिका सामान्य हिंदी विषय से संबंधित कुल 15 प्रश्नों पर आधारित है, जिसमें दो गद्यांश (बोध) तथा व्याकरण व साहित्य से संबंधित प्रश्न सम्मिलित हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प (A, B, C, D) दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक ही विकल्प सही है। सही विकल्प का चयन कीजिए।
- प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक प्रदान किया जाएगा तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए निर्धारित नियमानुसार ऋणात्मक (Negative) अंकन किया जाएगा।
- अनुत्तरित (Not Attempted) प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा।
- परीक्षा प्रारंभ होने का संकेत मिलने से पहले प्रश्न पुस्तिका न खोलें।
- उत्तर पत्रक (OMR Sheet) पर केवल काले अथवा नीले बॉल पॉइंट पेन का ही प्रयोग करें।
- एक प्रश्न के लिए एक से अधिक विकल्प अंकित करने पर उस प्रश्न का उत्तर गलत माना जाएगा।
- रफ कार्य केवल प्रश्न पुस्तिका में दिए गए खाली स्थान पर ही करें।
- परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर अथवा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है।
- इस अभ्यास सेट की उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या पुस्तिका के अंत में अलग पृष्ठ पर दी गई है; कृपया समस्त प्रश्न हल करने के उपरांत ही उसे देखें।

अभ्यर्थी विवरण (Candidate's Details)

नाम (Name): _____

अनुक्रमांक (Roll No.): _____ दिनांक (Date): _____

सेट संख्या (Set No.): 9

निर्देश (प्र. सं. 1 से 5): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कला मनुष्य की रचनात्मक अभिव्यक्ति है, जो उसकी आंतरिक भावनाओं और विचारों को बाहरी संसार के समक्ष प्रस्तुत करने का माध्यम बनती है। यह संगीत, चित्रकला, नृत्य या साहित्य के रूप में हो सकती है, और प्रत्येक रूप अपने आप में एक विशिष्ट भाषा है जिसे शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। कला केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह हमारी भावनाओं, संस्कृति और इतिहास को सहेज कर रखने का एक सशक्त माध्यम है, जिसके द्वारा एक पीढ़ी अपने अनुभव और ज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुँचाती है। अजंता-एलोरा की गुफाओं के भित्तिचित्रों से लेकर आधुनिक चित्रकला तक, कला ने सदैव मानव सभ्यता के विकास की गाथा को संजोया है। शास्त्रीय संगीत और नृत्य शैलियाँ जैसे भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी भारतीय सांस्कृतिक विरासत के अमूल्य प्रतीक हैं। इसलिए कला को केवल मनबहलाव का साधन समझना उसकी गरिमा को कम आँकना होगा; वास्तव में यह मानव सभ्यता की आत्मा है, जो समय के साथ हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखती है।

1. मनुष्य की रचनात्मक अभिव्यक्ति क्या है?

- A) युद्ध B) कला
C) व्यापार D) राजनीति

2. कला के विभिन्न रूप गद्यांश में क्या बताए गए हैं?

- A) संगीत, चित्रकला, नृत्य और साहित्य B) विज्ञान और गणित
C) खेल-कूद D) मशीनें

3. कला केवल किसका साधन नहीं है?

- A) विकास का B) मनोरंजन का
C) शिक्षा का D) व्यवसाय का

4. कला किसे सहेज कर रखने का सशक्त माध्यम है?

- A) धन और संपत्ति को B) भावनाओं, संस्कृति और इतिहास को
C) पुराने कपड़ों को D) किताबों को

5. 'अभिव्यक्ति' शब्द में कौन सा उपसर्ग है?

- A) अ B) अभि
C) अभ D) ती

निर्देश (प्र. सं. 6 से 10): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी है, क्योंकि यह व्यक्ति के मनोबल को ऊँचा रखती है और उसे कठिन परिस्थितियों में भी हार मानने से रोकती है। जब हम मुश्किल परिस्थितियों में भी आशावादी बने रहते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में समाधान खोजने की क्षमता बढ़ जाती है, क्योंकि सकारात्मक सोच तनाव को कम

करके मस्तिष्क को स्पष्ट रूप से सोचने योग्य बनाती है। इसके विपरीत, निराशा और नकारात्मकता केवल बाधाएं उत्पन्न करती हैं, वे व्यक्ति की ऊर्जा को क्षीण करती हैं और उसे कार्य करने से रोकती हैं। अनेक वैज्ञानिक शोधों ने भी यह सिद्ध किया है कि सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले लोग तनाव और अवसाद से जल्दी उबर जाते हैं तथा जीवन में अधिक संतुष्ट रहते हैं। इसलिए हमें हमेशा अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखना चाहिए, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी विपरीत क्यों न हों, क्योंकि हर अंधेरी रात के बाद उजाला अवश्य आता है। सकारात्मक सोच अपनाकर ही व्यक्ति अपने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

6. सफलता की कुंजी किसे कहा गया है?

- A) सकारात्मक सोच को B) चालाकी को
C) निराशा को D) धन को

7. आशावादी बने रहने से क्या होता है?

- A) समस्याएँ बढ़ती हैं B) समाधान खोजने की क्षमता बढ़ जाती है
C) व्यक्ति आलसी हो जाता है D) कुछ नहीं होता

8. बाधाएं कौन उत्पन्न करता है?

- A) सकारात्मकता B) मेहनत
C) निराशा और नकारात्मकता D) ज्ञान

9. हमें अपना दृष्टिकोण कैसा रखना चाहिए?

- A) नकारात्मक B) संदेहास्पद
C) सकारात्मक D) उदासीन

10. 'आशावादी' का विलोम शब्द है:

- A) आशाहीन B) निराशावादी
C) सकारात्मक D) दुखी

11. 'परोपकार' शब्द में कौन सी संधि है?

- A) यण संधि B) वृद्धि संधि
C) गुण संधि D) दीर्घ संधि

12. 'आलस्य' का सटीक विलोम शब्द है:

- A) उद्यम / स्फूर्ति B) थकान
C) निद्रा D) प्रमाद

13. 'सिंह' का पर्यायवाची शब्द छाँटिए:

- A) कुरंग B) मृगेंद्र
C) भुजंग D) मतंग

14. 'हाथ मलना' मुहावरे का सही अर्थ है:

- A) सर्दी लगना B) पछताना
C) हाथ साफ़ करना D) व्यायाम करना

15. प्रसिद्ध नाटक 'आधे अधूरे' के लेखक कौन हैं?

- A) जयशंकर प्रसाद B) धर्मवीर भारती
C) मोहन राकेश D) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या — अभ्यास सेट 9

त्वरित उत्तर कुंजी: 1-B 2-A 3-B 4-B 5-B 6-A 7-B
8-C 9-C 10-B 11-C 12-A 13-B 14-B 15-C

प्र. 1. उत्तर: (B)

गद्यांश की पहली लाइन में ही कला को रचनात्मक अभिव्यक्ति बताया गया है।

प्र. 2. उत्तर: (A)

संगीत, चित्रकला आदि कला के ही विभिन्न अंग हैं।

प्र. 3. उत्तर: (B)

कला को सिर्फ मनोरंजन की वस्तु मानना गलत है, इसका दायरा बहुत बड़ा है।

प्र. 4. उत्तर: (B)

हमारी संस्कृति और इतिहास कलाओं के माध्यम से ही पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता है।

प्र. 5. उत्तर: (B)

अभि + व्यक्ति = अभिव्यक्ति। इसमें 'अभि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

प्र. 6. उत्तर: (A)

पॉजिटिव सोच (सकारात्मकता) ही सफलता का मुख्य द्वार खोलती है।

प्र. 7. उत्तर: (B)

उम्मीद न छोड़ने से दिमाग बेहतर काम करता और हल जल्दी मिलता है।

प्र. 8. उत्तर: (C)

निराशा इंसान को कमजोर करती है और राह में बाधाएं खड़ी करती है।

प्र. 9. उत्तर: (C)

परिस्थिति चाहे जैसी हो, नज़रिया हमेशा सकारात्मक होना चाहिए।

प्र. 10. उत्तर: (B)

उम्मीद रखने वाला आशावादी और हमेशा बुरा सोचने वाला निराशावादी होता है।

प्र. 11. उत्तर: (C)

पर + उपकार = परोपकार। यहाँ अ + उ = ओ बना है, जो गुण संधि का नियम है।

प्र. 12. उत्तर: (A)

आलस्य का अर्थ सुस्ती है, और इसका सटीक विपरीत अर्थ उद्यम या स्फूर्ति होता है।

प्र. 13. उत्तर: (B)

शेर (सिंह) को मृगेंद्र (मृगों का राजा) भी कहा जाता है। भुजंग साँप का पर्यायवाची है।

प्र. 14. उत्तर: (B)

अवसर निकल जाने पर पछताने को 'हाथ मलना' कहा जाता है।

प्र. 15. उत्तर: (C)

'आधे अधूरे' मोहन राकेश द्वारा रचित आधुनिक हिंदी का एक अत्यंत प्रसिद्ध नाटक है।